समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

हिंदुस्तानी हुनर की मांग बढ़ी, रूस देगा 10 लाख भारतीयों को नौकरी!

Publisher Published on 15 Jul 2025

रूस मे कामगारों की भारी कमी के चलते अब भारत से 10 लाख कुशल श्रमिकों की होगी भर्ती, सेना और इंडस्ट्री के क्षेत्र मे मिलेगें अवसर।

रूस मे बंढ़ी भारतीय कामगारों की मांग

IND vs RUS: रूस की बड़ी-बड़ी इंडस्ट्रीज आज **लेबर की भारी कमी** से जूझ रही हैं। ऐसे में रूस सरकार और वहां के उद्योग संगठन अब भारत की ओर रुख कर रहे हैं। रूस के यूराल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रमुख **एंड्री बेसेडिन** के अनुसार, **साल के अंत तक 10 लाख भारतीय एक्सपर्ट्स** को रूस बुलाने की योजना है।

स्वेर्दलोव्स्क रीजन मे कंाम की भरमार, लेकिन कामगार नहीं

स्वेर्दलोव्स्क रीजन, जो कि रूस के सबसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में से एक है, वहां **टी-90 टैकं** जैसी मिलिट्री इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियों से लेकर **कंस्ट्रक्शन, मेटल फैक्ट्रीज** और **मशीन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स** तक में काम की भरमार है। लेकिन यूक्रेन युद्ध के चलते कई युवा सेना में भर्ती हो गए हैं और फैक्ट्रियों में जाने से बच रहे हैं।

भारी चुनौतियां, लेकिन रूस देगा सुविधाएं

भारतीयों के लिए रूस में काम करना आसान नहीं होगा। यहां सर्दियों में **तापमान -15 से -20 डिग्री सेल्सियस** तक पहुंच जाता है। इसके साथ ही **भाषा, खानपान** और **संस्कृति** की दिक्कतें भी सामने आएंगी। लेकिन **रूस सरकार** हर प्रकार की सुविधा देने को तैयार है ताकि भारत जैसे मित्र देश से अधिक से अधिक कुशल श्रमिकों को आमंत्रित किया जा सके।

2030 तक रूस मे 31 लाख कामगारों की कमी का अनुमान

रूसी श्रम मंत्रालय का अनुमान है कि **2030 तक देश मे 31 लाख कामगारों** की कमी हो जाएगी। इसे देखते हुए कोटा बढ़ाकर

2025 तक 2.3 लाख कर दिया गया है। साथ ही, **नॉन-CIS देशों** से अधिक योग्य प्रवासियों को लाने की रणनीति पर भी काम हो रहा है।

भारत के साथ-साथ श्रीलंका और उत्तर कोरिया पर भी नजर

भारत के अलावा, **श्रीलंका** और **उत्तर कोरिया** जैसे देशों से भी श्रमिक बुलाने की तैयारी की जा रही है। **2024 मे जंब कैलिनिनग्राद** फिश प्रोसेसिंग यूनिट '**Za Rodinu**' में काम की कमी हुई थी, तब भी भारत से कामगार बुलाए गए थे।

रूस की नजर भारतीय कुशलता पर

रूस को अब यह समझ आ गया है कि भारतीय श्रमिकों की **मेहनत** और **हुनर वैश्विक स्तर** पर उपयोगी साबित हो सकता है। यही वजह है कि वह भारतीयों के लिए वीजा प्रक्रिया सरल करने और आवास व भाषा सहायता जैसी सुविधाएं देने की तैयारी कर रहा है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.